भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 846

07 फरवरी, 2024 को उत्तर के लिए

इस्पात उद्योग को कार्बनमुक्त बनाना

846. श्री बृजेन्द्र सिंह:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने इस्पात उद्योग को कार्बनमुक्त करने के लिए पहल की है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;
(ग) क्या सरकार की हरित इस्पात के लिए वर्गीकरण मानक (टेक्सोनोमी) लागू करने की योजना है;
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;
(ड.) क्या भारत में हरित इस्पात उत्पादन के लिए कोई वैश्विक मानक अथवा मानदंड विद्यमान हैं; और
(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री (श्री फग्गन सिंह कुलस्ते)

(क) और (ख): जी हां। इस्पात उद्योग में अकार्बनीकरण को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदम निम्नलिखित हैं:-

(1) इस्पात क्षेत्र में अकार्बनीकरण हेतु विभिन्न पद्धतियों के संबंध में चर्चा, विचार-विमर्श और सिफारिश करने के लिए उद्योग, शिक्षाविदों, बुद्धिजीवियों, एस एंड टी निकायों, विभिन्न मंत्रालयों और अन्य हितधारकों को शामिल करते हुए 14 कार्यबलों का गठन किया गया है।

(2) इस्पात स्क्रैप पुनर्चक्रण नीति, 2019 इस्पात निर्माण में कोयले की खपत को कम करने के लिए स्वदेशी रूप से उत्पादित स्क्रैप की उपलब्धता को बढ़ाती है।

(3) नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) ने हरित हाइड्रोजन के उत्पादन और उपयोग के लिए राष्ट्रीय हाइड्रोजन ऊर्जा मिशन की घोषणा की है। इस मिशन में इस्पात क्षेत्र को भी एक हितधारक बनाया गया है।

(4) मोटर यान (यान स्क्रैपिंग सुविधा का रजिस्ट्रीकरण एवं कार्य) नियम सितम्बर, 2021 में इस्पात क्षेत्र में स्क्रैप की उपलब्धता को बढ़ाए जाने की परिकल्पना की गई है।

जारी....2-

(5) नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा जनवरी 2010 में शुरू किया गया राष्ट्रीय सौर मिशन सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देता है और इस्पात उद्योग के कुल उत्सर्जन को कम करने में भी सहायता प्रदान करता है।

(6) नेशनल मिशन फॉर इनहेन्सड एनर्जी एफिशिएंसी के अंतर्गत परफॉर्म, एचीव एंड ट्रेड (पीएटी) योजना, ऊर्जा खपत को कम करने के लिए इस्पात उद्योग को प्रोत्साहित करती है।

(7) इस्पात क्षेत्र ने आधुनिकीकरण और विस्तारीकरण परियोजनाओं में वैश्विक रूप से सर्वश्रेष्ठ उपलब्ध प्रौद्योगिकियों (बीएटी) को अपनाया है।

(8) ऊर्जा दक्षता संवर्धन के लिए जापान के न्यू एनर्जी एंड इंडस्ट्रीयल टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट आर्गेनाईजेशन (एनईडीओ) की आदर्श परियोजनाओं को इस्पात संयंत्रों में कार्यान्वित किया गया है।

(ग) से (च): हरित इस्पात के लिए वर्गीकरण मानक (टैक्सोनॉमी) का विकास एक वैश्विक सरोकार का विषय है और भारत भी इस सरोकार में भागीदार है। इस उद्देश्य के लिए, इस्पात मंत्रालय ने इस विषय पर चर्चा, चिंतन तथा इस संबंध में सिफारिशें देने के लिए उद्योग, शिक्षाविदों, बुद्धिजीवियों, एसएंडटी निकायों, विभिन्न मंत्रालयों/विभागों और अन्य हितधारकों की भागीदारी के साथ हरित इस्पात के वर्गीकरण के विकास के लिए एक कार्यबल का गठन किया है।

*****